अर्पण फेरो एलाय

प्रोजेक्ट रिपोर्ट

अर्पण फेरों एलाय मैंगनीज आधारित उद्योग हेतु इसकी स्थापना की गई है । इस उद्योग हेतु म0प्र0 शासन द्वारा 69.22 एकड 28.02 हेक्टेयर भूमि राजस्व द्वारा 1994 में प्रदान की गई है । यह खदान पूर्व में भिलाई स्टील प्लांट के दी गई थी । लीज स्वीकृत होने के उपरान्त जानकारी मिली कि, यह भूमि वन विभाग में चली गई है । इस कारण वन व्यपवर्तन की कार्यवाही की जा रही है । इस खदान की प्रोप्रा0 श्रीमती हेमलता चतुरमोहता है जो कि 83 वर्ष की हैं।

उत्पादन :–

(1) प्रारंभ में यह फर्म लो कर्बन मैंगनिज का उत्पादन करेगी, जिसमें 46 प्रतिशत से 50 प्रतिशत का मैंगनिज लगेगा ।

(2) इसके उपरान्त शिल्को मैंगनिज का उत्पादन किया जावेगा जिसमें 38 प्रतिशत का मेंगनिज लगेगा ।

(3) इससे कम ग्रेड के मेंगनिज की बिक्री बाजार में स्टील प्लांट व फेरों प्लांट को की जावेगी।

खदान में मैंगनिज की उपलब्धता –

इस खदान में प्रारंभ में लो ग्रेड मैंगनिज मिलेगा जिसे हमें बाजार में बेचना होगा एवं जैसे जैसे हम खदान के अन्दर जायेंगे उसमें मैंगनिज का ग्रेड बढ़ेगा । वैसे इस क्षेत्र में मैंगनिज की उपलब्धता बहुत अच्छी है । जो निम्न है :–

खदान का नाम	संख्या	खदान से दूरी
मिरगपुर	04	2 किमी

अर्पण फेरो एलाय

जनरल मैनेजर

हथौड़ा	03	3 किमी
चिखला (तिरोड़ी M.O.I.L.)	02	12किमी
डोंगरी बुजुर्ग	01	15 किमी

नोट :–

भारत में गुणवत्ता के लिए सर्वश्रेष्ठ खदान डोंगरी बुजुर्ग की है । जो कि इस खदान से मात्र 15 किमी की दूरी पर है इस कारण इस खदान का भविष्य उज्जल है । इस खदान को माईनिंग एवं ड्रिलिंग करने पर इसके डिपाजिट व ग्रेड का दोबारा सही अनुमान किया जा सकेगा एवं इसके बाद भविष्य में इसके उत्पादन की फैक्ट्री निर्माण पर विचार किया जावेगा।

रिजर्व :–

वर्तमान में इस खदान में 22प्रतिशत से 50प्रतिशत का मैंगनिज मिलने की संभावना है । वर्तमान में माईनिंग प्लान के अनुसार 4.5 लाख एम.टी. मैंगनिज मिलने की संभावना है । जिसके निम्नानुसार मैंगनिज का अंदाज किया गया है ।

44 – 50%	मैंगनिज	20%
34 – 44%	मैंगनिज	20%
22 – 34%	मैंगनिज	60%

	योग :	100%

खदान की अवधि :–

इस खदान की अवधि नियमानुसार 50 वर्ष की है, जिसमें प्रतिवर्ष 9000 एमटी का उत्पादन पर यह प्रोजेक्ट बनाया गया है । जिसमें 20 प्रतिशत कम ज्यादा हो सकती है । वर्तमान में मशीनों की टैक्नोलॉजी बहुत बढ़ गई है जिसके मदद् से यह डिपाजिट 15 वर्ष में भी निकाला जा सकता है । जो कि मैंगनिज डिपोजिट एवं कार्य प्रणाली पर निर्भर करता है ।

साधन :–

बालाघाट जिला भारत में मैंगनिज माईनिंग में एशिया में नम्बर 1 पर है, क्योंकि यहॉ यह कार्य पिछले 100 वर्षो से किया जा रहा है क्योंकि इसकी खोज अंग्रेजों ने की थी और बालाघाट मे मात्र 4 किमी की दूरी पर एशिया की सबसे बडी मैंगनिज खदान भरवेली में है । जहॉ 2000

अर्पण फेरो एलाय

जनरल मैनेजर

फुट अण्डरग्राउण्ड में माईनिंग की जाती है । पूर्व में बालाघाट में 80 खदाने कार्य करती रही है । भारत सरकार का उपक्रम मॉयल की बालाधाट जिले में 5 खदाने कार्यरत है हमारी खदान से मात्र 12 किमी दूरी पर मॉयल की तीन खदाने कार्यरत है । इस कारण बेहतर टेक्निक कुशल श्रमिक एवं कुशल मार्गदर्शन यहॉ उपलब्ध है । इस कारण 6 करोड़ की लागत से यह खदान उद्योग प्रारंभ किया जा रहा है ।

फैरों मैंगनिज प्लांट :–

यह प्लांट मैंगनिज आधारित उद्योग है, नीतिगत कठिनाईयों के कारण प्रारंभ में लो कार्बन फैरों मेंगनिज का उत्पादान 1 करोड रूपये की लागत से किया जा रहा है । जिसको ग्राम कोचेवाही प0ह0न0 – 21/2 में 4.14 एकड भूमि खरीद ली गई है । जिसका खसरा नम्बर 72 एवं 73 है यह भूमि ब्राडगेज रेलवे लाईन से 2 किमी की दूरी पर है एवं स्टेट हाईवे वारासिवनी कटंगी से मात्र 1 किमी की दूरी पर है एवं इसके मात्र 200 मीटर की दूरी पर 33 केव्ही लाईन है । इस प्लांट में 44प्रतिशत से 50 प्रतिशत मैंगनिज की आवश्यकता है । खदान की अनुमति मिलने, एक वर्ष में इसका उत्पादन प्रारंभ हो जावेगा ।

शिल्को फैरों मैंगनिज :–

खदान के प्रारंभ होने के 3 वर्ष बाद खदान मे मैंगनिज का नया आंकलन करने के बाद इसका उत्पादन किया जावेगा जिसमें 38 प्रतिशत के मैंगनिज की आवश्यकता रहेगी ।

खुले बाजार में मैंगनिज की बिक्री :–

बालाघाट जिला मैंगनिज का अच्छा बाजार है, खदान में जो भी 38 प्रतिशत से नीचे का मैंगनिज होगा वह खुले बाजार में बिक्री किया जावेगा । इस खदान को जो भी मैगनिज निकलेगा उसका पूर्ण उपयोग किया जावेगा ।

प्रोजेक्ट की डिटेल :–

(1) यह प्रोजेक्ट वर्तमान में वन विभाग में आ गया है , इस कारण 28.02 हेक्टेयर भूमि खदान लेने हेतु हमें 29.643 हेक्टेयर भूमि हमें शासन को देनी होगी । जिसकी लागत 2.00 करोड़ रूपये होगी । यह भूमि ग्राम ढिपुर : खापाखेड़ा तह0 परसवाडा बालाघाट में ली गई है ।

(2) फारेस्ट कम्परसेशन की लागत 4.00 करोड़ रूपयों की होगी ।

अर्पण फैरो एलाय

जनरल मैनेजर

(3) मशीनरी :– इस खदान को 50 वर्ष तक माईनिंग करने हेतु 2.50 करोड़ रूपयों की माईनिंग मशीनरी जैसे – सॉवल, डम्पर, डोजर, स्टोन क्रेशर, ड्रिलिंग मशीन, ब्लास्टिंग के लिए बारूद स्टोर, इत्यादि लगेंगे । जिसकी डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट में है ।

लो कार्बन फैरों मैंगनिज :–

लोहा निर्माण में फैरों मेंगनिज की आवश्यकता, लोहा को मजबूत करने में होती है। भारत में हमारे लोक प्रिय प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी भी लौह उद्योग को मजबूत करने का संकल्प लिया है । इस कारण फेरों मैंगनिज का भविष्य अत्यंत उज्जवल है । लो कार्बन फैरों मैंगनिज से वेल्डिंग रॉड एवं अन्य मेटल को मजबूत करने हेतु इसका उपयोग किया जाता है ।

प्लांट की लागत :–

कोचेवाही में 4.14 एकड जमीन	20.00 लाख
फैक्ट्री बिल्डिंग 100x50=5000	33.00 लाख
आफिस गोदाम	
मशीनरी	40.00 लाख
लेबोरेटरी	5.00 लाख
व्हीकल	5.00 लाख
प्रोजेक्ट कास्ट	103.00 लाख

वर्किंग केपिटल :–

यह एक खनिज आधारित उद्योग हैं जिसमें खदान एवं माईनिंग और इसका वेल्यू एडीसन आधुनिक तकनीक से करना है । इस कारण इस उद्योग की वर्किंग केपिटल 1 करोड रूपये हैं ।

प्रोजेक्ट कास्ट :–

2.00 करोड रू.	खदान हेतु वन विभाग को दी जाने वाली 70 एकड भूमि ग्राम ढिपुर + खापाखेडा तहसील परसवाडा
5.00 करोड रू.	खदान हेतु वन विभाग को दी जाने वाली राशि
1.00 करोड रू	माईनिंग प्लान +पर्यावरण +ब्लास्टिंग लाईसेंस व इक्यूपमेंट
2.50 करोड रू	50 वर्ष तक खदान में कार्य करने हेतु आवश्यक मशनरी
1.00 करोड रू	लो कार्बन फैरों मैंगनिज के प्लांट की लागत
1.00 करोड रू	वर्किंग केपिटल
12.50 करोड रू.	कुल प्रोजेक्ट कास्ट ।

अर्पण फेरो एलाय

जनरल मैनेजर

मीन्स आफ फाईनेंस :–

10.00 करोड रू	बैंक से फाईनेंस
2.50 करोड रू	हमारे द्वारा लगाया जावेगा
12.50 करोड रू	कुल रूपये

फिजीबिलीटी :–

इस प्रोजेक्ट में मैंगनिज 4.50 लाख एम टी उत्पादन किया जावेगा यह खदान 50 वर्ष हेतु शासन द्वारा दी गई है । इसमें 9000 एमटी का प्रतिवर्ष उत्पादन होगा ।

बिक्री :–

9000 एमटी मैंगनिज 7000/एम टी से बिकेगा

9000x7000	=	63000000.00
	खर्च =	49000000.00
	बचत =	15000000.00

खर्च का ब्यौरा –

ब्याज 10.00 करोड रूपये का 11प्रतिशत की दर से	1.10 करोड
किश्त	1.30 करोड
मैंगनिज उत्पादन खर्च	1.50 करोड
सेलटैक्स, इनकमटैक्स, लेबर वेलफेयर	0.40 करोड
अवक्षयण 20प्रतिशत	0.60 करोड
	4.90 करोड

नोट :

जनरल मैनेजर
अर्पण फेरों एलाय

अर्पण फेरो एलाय
जनरल मैनेजर